राजस्थान में पहली लिंग-वर्गीकृत वीर्य प्रयोगशाला

चर्चा में क्यों?

11 अगस्त, 2025 को दुग्ध मंत्री जोराम कुमावत द्वारा **राजस्थान में पशुओं के लिये पहली लिंग-वर्गीकृत वीर्य प्रयोगशाला का** उद्घाटन बस्सी, **जयपुर** में किया गया। इसका उद्देश्य राज्य में **पशुधन** की गुणवत्ता, नस्ल सुधार और **दूध उत्पादन को बढ़ाना है।**

मुख्य बिंदु

- **प्रयोगशाला के बारे में:**
  - **संचालन:** यह प्रयोगशाला गुजरात के आनंद स्थित **राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB)** के सहयोग से **राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (RCDF)** के अधीन संचालित होगी।
    - बस्सी वीर्य स्टेशन के प्रबंधन और संचालन के लिये **RCDF**, **राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड (RLDB) तथा NDDB डेयरी सर्विसेज (NDS)** द्वारा एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये गए।
  - इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य राजस्थान में कृत्रिम गर्भाधान के लिये **पारंपरिक और लिंग-आधारित वीर्य डोज़** के उत्पादन तथा आपूर्ति को बढ़ाना है।
- **उद्देश्य एवं प्रभाव:**
  - प्रयोगशाला का उद्देश्य पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान के लिये सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाले वीर्य की डोज़ उपलब्ध कराकर क्षेत्र में बेहतर दूध उत्पादन के लिये **पशु आनुवंशिकी को बढ़ाना** है।
- **उत्पादन और मूल्य निर्धारण:**
  - प्रयोगशाला की वार्षिक उत्पादन क्षमता **10 लाख वीर्य डोज़ की है,** जिसमें लिंग-वर्गीकृत, स्वदेशी पारंपरिक और आयातित नस्ल के वीर्य के आधार पर अलग-अलग मूल्य निर्धारण होता है तथा **अतिरिक्त डोज़ बाजार दरों पर** अन्य एजेंसियों को बेची जा सकती है।
- **महत्त्व:**
  - बस्सी वीर्य स्टेशन राजस्थान में एक प्रमुख संसाधन बनने जा रहा है, न केवल वीर्य उत्पादन के लिये बल्कि **पशुपालकों के लिये एक शैक्षिक और सहायता केंद्र के रूप में भी,** जो इस क्षेत्र में **डेयरी उद्योग** के **आर्थिक** तथा **पर्यावरणीय लक्ष्यों को** आगे बढ़ाएगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthans-first-sex-sorted-semen-lab